प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार संयुक्त सचिव, उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

जिलाधिकारी, अल्मोडा ।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 23 मार्च, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए जिला योजना के अन्तर्गत पुनर्विनियोग द्वारा धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक जिलाधिकारी, अल्मोड़ा के पत्र संख्या 1412/ जि0यो०/2006-07 दिनाक 30.12.06 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद अल्गोड़ा में तराड लिफ्ट सिंचाई योजना एवं जनता वहरो सिंचाई योजना के क्रियान्वयन हेतु क्रमशः रू० 12.00 लाख एवं रू० 35.00 लाख कुल रू० 47.00 लाख (रूपये सैतालीस लाख मात्र), रू० 1.20 लाख नियमित बजट से एवं रू० 45.80 लाख की धनराशि संलग्न वी०एम०-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा आवंटित करने हेतु आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

- 1— सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरूद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4— जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 5— मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण—पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

क्रमशः.....2

- 7— विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 8- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपभोग दिनांक 31.3.07 तक कर लिया जायेगा।
- 9– धनराशि का आहरण डी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वालू वित्तीय वर्ष 2006–07 के आय–व्ययक की अनुदान सं0–20 के अन्तर्गत संलग्नक–1 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 2301/XXVII (2) /2007 दि० 22 मार्च 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार) संयुक्त सचिव

संख्या 937/11-2007-03(08)/06, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मां राज्यमंत्री, सिंचाई।
- 2- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-21
- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
- 5 श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3 अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- g- कोषाधिकारी, अल्मोड़ा |
- 🖫 निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।

10- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

(महावीर सिंह चौहान) अनु सचिव

नियन्त्रण अधिकारी मुख्य अभियन्ता एवं विभागाच्यक्ष, सिंचाई विभाग, छत्तराखण्ड। प्रशासनिक विभाग: सिंचाई विभाग उत्तराखण्ड शासन।

हिलीय वर्ष 2006-07 अनुदान रूखा-20	0				the supposed to	The state of the state of	(सम्प्राह्म ह्याहरू
राज्य प्रतिधान तथा संख्यांशीर्पक का विकरण	सानक गदवार	वित्तीय वर्ष के	ngen	लेखाडीच्या जित्रमें हण्योंहें रूपानानरित किया जागा है।	o blacked	प्राथमा के प्रमुख का माधिकार के अनु	MAII
	अन्योद्याय	क्षेत्र अवस्थि ने	and a		विकास कार कि	(14 t - 14/24)	
	pig.	Apr. 60 (0.5.50	1		6		9
	2	6	4				motor made som treta
4700-मुख्ड शिचाई यर पूजीगत्त परिवास, 04-नलकूषे का निर्माण (अत्योजनागर) 800- अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत / केन्द्र द्वारा एरोनियानिय गोजनाय । 01-भारत निर्माण परियोजना के अन्तर्गत नलकूषों का निर्माण 24-यहरा निर्माण क्षेत्रये 231863		1	231863 (5)	१८००-नुष्य स्वार्ट पर पूर्वीमत परिवयः, १८४-न्टब्यूमें का निर्माच १८2-इन्या व्यव १८-वसकूम का निर्माण (दिला केंद्रस्ता) २४-वृद्धा निर्माण कार्य २० ४५०० (छ)	19328	227283	(क) तत उसका काराता छा। (क) तत उसका काराता छा। विदान कर्ना स्थाप करते स्थाप भी तत्त्व सार्व न्यापक क्षाप्ति सार्व स्थाप भी विराद सार्व न्यापक क्षाप्ति सार्व स्थाप प्रमान क्षाप्ति सार्व सार्व क्षाप्ति कार्व क्षाप्ति कार्व कार्य क
53,063		1	231863	4500	7 19328	227293	

महालेखाकार उत्तर्शाखण्ड 京の3子 /11-2007-03(b3)/2006 作出は 23-3-0子 प्रतिक्षिपि निम्निविद्धत को सूचनको एवं आवश्यक कार्यवाही हेत क्षेत्रित है --

उपर संधेत

प्रमाणित किया जाता है कि उत्तर पुनर्दिनियोग से बजट नेनुअल के प्रस्तर १५०–१५६ में उत्तिनित्त प्राचितनों एवं केजन्जों कर उत्तरीपन नहीं शोता है।

उत्पादकाष्ट्र शासन विता अनुमार्ग-2

देहरादूनः दिनांक

/(m)/XXVII(2)/2007

231063

थिता अनुसंग्रा–2 उत्तरशबुण्ड शस्त्रित, देहराष्ट्रत । जिल विकारी / काषाधिकार, अल्म दा

मुख्य अभिवन्ता एवं कि गायह, सिवार्ड कि.ग. प्रतासखण्ड देहराङ्ग

(धनराशि हजार रूपये भी